भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 464

जिसका उत्तर 22 जुलाई, 2026 को दिया जाना है ।

31 आषाढ़, 1948 (शक)

आईएसएम 2.0 हेतु आवंटन

464. श्री इटेला राजेंदर:
श्री चमाला किरण कुमार रेड्डीः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश की वैश्विक चिप-निर्माण महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने और दुनिया के लिए एक सेमीकंडक्टर गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के दृष्टिगत इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव तैयार किया है;

(ख) यदि हाँ, तो तेलंगाना में हुई प्रगति, निर्धारित और प्राप्त किए गए लक्ष्यों के साथ तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारत के सेमीकंडक्टर अभियान से अनगिनत नौकरियों के सृजित होने की संभावना है और सरकार ने हाल ही में सेमीकंडक्टर सुविधाएं आरंभ की हैं, ऐसे क्लस्टर्स से आर्थिक बदलाव आने की संभावना है जिससे युवा उभरते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युग में नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित होंगे;

(घ) यदि हाँ, तो राज्य-वार विशेष रूप से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) प्रदान की गई नौकरियों और विकसित भारत 2047 के लिए तैयार की गई कार्य योजना सहित इसके लिए स्वीकृत और व्यय की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(च) तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार को प्रस्तुत किए गए डीपीआर और अन्य प्रस्तावों तथा उक्त राज्य में सेमीकंडक्टर मुद्दों और इसके विकास पर की-गई-कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ड़): अब तक स्वीकृत परियोजनाओं द्वारा उत्पन्न गति को बनाए रखने के लिए, मंत्रिमंडल ने 15.07.2026 को ₹1.275 लाख करोड़ के परिव्यय के साथ सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी। इस पहल का उद्देश्य निम्नलिखित छह स्तंभों को कवर करते हुए एक आत्मनिर्भर, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण इकोसिस्टम स्थापित करना है:

	स्तंभ	**खंड**
1	चिप्स का डिजाइन	रणनीतिक और वाणिज्यिक चिप्स
2	मशीनें और सामग्री	उपकरण, रसायन, गैसें, सामग्री
3	अधिक फैब सेट करना	सिलिकॉन, डिस्प्ले, कंपाउंड आदि।
4	एटीएमपी/एएसएटी उद्योग को और सुदृढ़ करना	उन्नत और पुराने पैकेजिंग
5	अनुसंधान एवं विकास	उन्नत प्रौद्योगिकियां
6	प्रतिभा विकास	डिजाइन और विनिर्माण प्रतिभा

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम एक अखिल भारतीय कार्यक्रम है। आवेदक निर्बाध बिजली आपूर्ति, पानी की उपलब्धता और गुणवत्ता, भूमि की उपलब्धता, हवाई अड्डे की निकटता, राज्य सरकार की नीतियों के तहत दिए जाने वाले प्रोत्साहन और राज्य सरकारों द्वारा प्रदान किए गए व्यापार करने में आसानी से संबंधित अन्य उपायों जैसे विभिन्न मापदंडों के आधार पर परियोजना स्थान का चयन करते हैं।

सेमीकंडक्टर उद्योग एक मूलभूत उद्योग है। अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्र जैसे औद्योगिक, उपभोक्ता, रक्षा, दूरसंचार और मोटर वाहन आदि सेमीकंडकरों पर निर्भर करते हैं। यह क्षेत्र तकनीकी नवाचार, आर्थिक विकास और रणनीतिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देकर परिवर्तनकारी क्षमताएं प्रदान करता है। इस उद्योग की मूलभूत प्रकृति के कारण, इसमें बड़े पैमाने पर अत्यधिक कुशल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने की क्षमता है।

(च) सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत आवेदक कंपनियों द्वारा प्रस्ताव और इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत की जाती है। परियोजना के स्थान का निर्णय आवेदक कंपनियाँ स्वयं करती हैं।

*****